15वीं लोकसभा में महिलाओं का योगदान

❖ चन्द्रकला माली, शोधार्थी,

राजनीति विज्ञान विभाग,

जनार्दनराय नागर राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय,

उदयपुर, राजस्थान

सारांश –

आज भारत खुद को एक जीवन्त लोकतन्त्र के रुप में स्थापित कर चुका है, लेकिन आज भी भारतीय राजनीति में कुछ क्षेत्र ऐसे हैं, जो चिन्ता का विषय है उनमें से एक है सत्ता में महिलाओं की नाममात्र की भागीदारी होना। लेकिन फिर भी महिलाएँ प्रधानमन्त्री व राष्ट्रपति के पद तक पहुँची है और अपनी जिम्मेदारियों का निर्वाह करते हुए राष्ट्र को गौरवान्वित किया है। 15वीं लोकसभा में महिलाओं की भागीदारी बढ़ने के साथ ही उन्होंने अपना बेहतर प्रदर्शन किया है।

परिचय –

विश्व के अधिकांश देशों में लोकतांत्रिक शासन प्रणाली को अपनाया गया है। भारत भी विश्व का सबसे बड़ा लोकतान्त्रिक देश है। जिसकी अपनी सभ्यता एवं संस्कृति है। 26 जनवरी, 1950 को जब भारतीय संविधान लागू हुआ, जिसमें सभी नागरिकों को समान अधिकार प्रदान किये गये और प्रतिनिधि लोकतन्त्र की शासन व्यवस्था को अपनाकर सभी नागरिकों को समान अधिकार व उपलब्ध कराए गए। लेकिन वास्तविक रुप से लोकतन्त्र में महिला एवं पुरुषों की भागीदारी समान नहीं है, महिलाएँ अब भी पिछड़ रही है। आम चुनावों में महिलाओं को पुरुषों की तुलना में समान अवसर प्रदान नहीं किए जाते है। यहाँ तक कि किसी सीट पर महिला सदस्य को टिकट दे भी दिया जाता है तो उसका विरोधी दल भी महिला सदस्य को ही खड़ा करता है जिससे चुनाव जीतने पर दोनों में से कोई एक ही सत्ता में आता है। इतनी असमानता होते हुए भी श्रीमती इन्दिरा गाँधी, प्रथम प्रधानमन्त्री व श्रीमती प्रतिभा देवी सिंह पाटिल, प्रथम राष्ट्रपति महिला होने के रुप में गौरव प्राप्त किया है। इनके अलावा भी भारतीय राजनीति में कई महत्वपूर्ण पदों पर महिलाओं ने अपनी योग्यता का परिचय दिया है। यहाँ तक कि 15वीं लोकसभा में श्रीमती मीरा कुमार को भी प्रथम महिला लोकसभा अध्यक्ष होने का गौरव प्राप्त हुआ है।

केन्द्रीय व्यवस्थापिका के दोनों सदनों, राज्यसभा व लोकसभा में महिलाओं के प्रतिनिधित्व में समय–समय पर उतार–चढ़ाव की स्थिति रही है। महिला सदस्यों के लोकसभा में प्रतिनिधित्व और आम चुनाव में बतौर उनकी भागीदारी में बढ़ोतरी हो रही है। यह अप्रत्याशित और सुखद है कि 15वीं लोकसभा में उपेक्षित महिला वर्ग का प्रतिनिधित्व बढ़ा है।

1952 से अब तक लोकसभा में महिलाओं की संख्या

क्र.सं.	वर्ष	कुल सदस्य	महिलाओं की संख्या	महिला प्रतिशत
1.	1952	489	22	04.49
2.	1957	494	27	05.46
3.	1962	494	34	06.88

4.	1967	523	31	05.83
5.	1971	521	22	04.22
6.	1977	544	19	03.49
7.	1980	544	28	05.14
8.	1984	544	44	08.08
9.	1989	529	28	05.29
10.	1991	509	36	07.07
11.	1996	541	40	07.39
12.	1998	545	44	08.07
13.	1999	543	48	08.83
14.	2004	543	45	08.98
15.	2009	543	59	10.86

स्त्रोत– www.rajassembly.nic.in/loksabha.htm

पहली बार 15वीं लोकसभा में महिलाओं के प्रतिनिधित्व ने दस फीसदी आंकड़े को पार किया है। पहली लोकसभा में महिलाओं की भागीदारी 4.4 प्रतिशत थी। आठवीं लोकसभा में आंकड़ा बढ़कर 8.1 प्रतिशत हो गया। इस उतार–चढ़ाव के साथ ही तेरहवीं लोकसभा में यह प्रतिशत बढ़कर 8.83 प्रतिशत हो गया और 15वीं लोकसभा में अब तक की सर्वाधिक 59 महिलायें चुनी गई जो कुल सदस्यों का 10.86 प्रतिशत है।

15वीं लोकसभा में महिला उम्मीदवारों का योगदान –

15वीं लोकसभा के आम चुनावों में महिला उम्मीदवारों की संख्या बढ़ी है। 2009 के आम चुनावों में कुल 556 महिला उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा, जिसमें 59 महिला उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की। वहीं 2004 के आम चुनावों में कुल 355 सीटों पर महिला उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा। जिनमें से 45 सीटों पर विजयी रही। 15वीं लोकसभा के लिये निर्वाचित 59 महिलाओं में सर्वाधिक 23 कांग्रेस पार्टी से व दूसरे स्थान पर 13 भाजपा पार्टी से निर्वाचित हुई है। बसपा, सपा व तृणमूल कांग्रेस से 4–4 महिलाऐं निर्वाचित हुई है। जबकि तेलंगाना राष्ट्र समिति, द्रमुक, माकपा, रालोद और शिवसेना से एक–एक महिला सदस्य लोकसभा के लिये निर्वाचित हुई है।

15वीं लोकसभा में महिला सदस्यों की औसत आयु –

15वीं लोकसभा में कुल 556 महिला उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा, जिसमें 59 महिला उम्मीदवार चुनाव जीत कर आई। इन सभी सांसदों की औसत उम्र 54 से भी कम है। इसी प्रकार 25–40 वर्ष के आयु वर्ग में 29% महिलाओं ने जीत दर्ज की है तो 41–50 वर्ष के आयु वर्ग से में 36% महिलाओं ने जीत दर्ज की है।

महिला सदस्यों की औसत उम्र वितरण

आयु वर्ग	महिलाओं का प्रतिशत
25–40	29%
41–50	36%
51–60	21%
61–70	14%

स्त्रोत– women mps in the 15th loksabha, www.prsindia.org

15वीं लोकसभा में महिला सदस्यों की उपस्थिति –

15वीं लोकसभा में महिला सदस्यों की उपस्थिति औसत से अधिक रही। अधिकांश महिला सदस्यों का उपस्थिति प्रतिशत 80 से ऊपर रहा, जिससे ये पता लगता है कि संसद की कार्यवाही में महिला सदस्यों ने अपनी खासी रूचि दिखाई है। 100 प्रतिशत उपस्थिति दर्ज कराने वाली महिला सदस्यों में एक मात्र सदस्य हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस पार्टी से प्रतिभा सिंह है।

क्र. सं.	सांसद का नाम	राज्य	निर्वाचन क्षेत्र	पार्टी	आयु	उपस्थिति प्रतिशत
1.	प्रतिभा सिंह	हिमाचल प्रदेश	मंडी	कांग्रेस	57	100
2.	प्रभा किशोर ताविड़	गुजरात	दाहोद	कांग्रेस	59	94
3.	सारिका सिंह	उत्तरप्रदेश	हाथरस	राष्ट्रीय लोकदल	33	94
4.	सुषमा स्वराज	मध्यप्रदेश	विदिशा	भाजपा	62	94
5.	सुष्मिता बोरी	पश्चिमी बंगाल	बिष्नुपुर	सीपीआई (एम)	39	94
6.	अनु टंडन	उत्तरप्रदेश	उन्नाव	कांग्रेस	56	93
7.	ज्योति मिर्धा	राजस्थान	नागौर	कांग्रेस	41	93
8.	गिरिजा व्यास	राजस्थान	चितौड़गढ़	कांग्रेस	67	90
9.	अश्वमेध देवी	बिहार	उजियारपुर	जनता दल (यू)	46	89
10.	किलीकृपा रानी	आंध्रप्रदेश	श्रीकाकुलम	कांग्रेस	48	89

स्त्रोत– www.prsindia.org/mptrack/15loksabha

15वीं लोकसभा में महिला सदस्यों द्वारा बहस में भाग लेना –

इस लोकसभा में महिला सदस्यों द्वारा बहस में बहुत कम भागीदारी निभायी है। सर्वाधिक बहस में भाग लेने वाली महिला सदस्य आन्ध्रप्रदेश के कांग्रेस पार्टी से झांसीबोचा लक्ष्मी व गुजरात के भाजपा पार्टी से जयश्री बेन पटेल है जिन्होंने क्रमशः 146 व 132 बार बहस में भाग लिया है।

क्र. सं.	सांसद का नाम	राज्य	निर्वाचन क्षेत्र	पार्टी	बहस में भागीदारी
1.	झांसीबोचा लक्ष्मी	आन्ध्रप्रदेश	विजयानगरम	कांग्रेस	146
2.	जयश्री बेन पटेल	गुजरात	मेहसाणा	भाजपा	132
3.	सुषमा स्वराज	मध्यप्रदेश	विदिशा	भाजपा	112
4.	रत्ना दी	पश्चिम बंगाल	हुगली	एआईटीसी	100
5.	रमा देवी	बिहार	शिहोर	भाजपा	84

स्त्रोत– www.prsindia.org/mptrack/15loksabha

15वीं लोकसभा में महिला सदस्यों द्वारा पूछे गए प्रश्न –

इस लोकसभा में महिला सदस्यों द्वारा पूछे गए प्रश्नों की संख्या औसत ही रही है, सर्वाधिक प्रश्न पूछने वाली महिला सदस्यों में महाराष्ट्र की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी से सुप्रिया सुले है जिन्होंने 739 प्रश्न किए है।

क्र. सं.	सांसद का नाम	राज्य	निर्वाचन क्षेत्र	पार्टी	पूछे गए प्रश्नों की संख्या
1.	सुप्रिया सुले	महाराष्ट्र	बारामती	एनसीपी	739
2.	रत्ना सिंह	उत्तरप्रदेश	प्रतापगढ़	कांग्रेस	677
3.	श्रुति चौधरी	हरियाणा	भिवानी–महेन्द्रगढ़	कांग्रेस	664
4.	रमा देवी	बिहार	शिहोर	भाजपा	627
5.	सुमित्रा महाजन	मध्यप्रदेश	इन्दौर	भाजपा	567

स्त्रोत– www.prsindia.org/mptrack/15loksabha

15वीं लोकसभा में महिला सदस्यों द्वारा गैर–सरकारी विधेयक प्रस्तुत करना –

गैर–सरकारी विधेयक प्रस्तुत करने में महिला सदस्यों ने रूचि नहीं दिखाई है फिर भी इनमें सर्वाधिक गैर–सरकारी विधेयक प्रस्तुत करने वाली महिला सदस्य महाराष्ट्र की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी से सुप्रिया सुले है, जिन्होंने अधिकतम 5 गैर–सरकारी विधेयक प्रस्तुत किए है।

क्र. सं.	सांसद का नाम	राज्य	निर्वाचन क्षेत्र	पार्टी	प्रस्तुत किए गए गैर–सरकारी विधेयक
1.	सुप्रिया सुले	महाराष्ट्र	बारामती	एनसीपी	5
2.	बिजोया चक्रवर्ती	असम	गोहाटी	भाजपा	4
3.	सरोज पाण्डे	छत्तीसगढ़	दुर्ग	भाजपा	4
4.	प्रिया सुनिल दत्त	महाराष्ट्र	मुम्बई सेन्ट्रल (उत्तर)	कांग्रेस	3
5.	झांसीबोचा लक्ष्मी	आन्ध्रप्रदेश	विजयानगरम	कांग्रेस	2

स्त्रोत– www.prsindia.org/mptrack/15loksabha

महिला सदस्यों में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली सांसद महाराष्ट्र की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी से सुप्रिया सुले है, जिन्होंने सर्वाधिक प्रश्न पूछने व गैर–सरकारी विधेयक प्रस्तुत करने में अच्छा प्रदर्शन किया है। वहीं आन्ध्रप्रदेश की कांग्रेस पार्टी से झांसीबोचा लक्ष्मी ने भी बहस में भागीदारी व गैर–सरकारी विधेयक प्रस्तुत करने में अपना अच्छा प्रदर्शन किया है। महिला सदस्यों में ही तीन सदस्या ऐसी है, जिन्होंने 15वीं लोकसभा की किसी भी कार्यवाही में भाग नहीं लिया है और उनकी उपस्थिति भी औसत से कम रही है, वे सांसद है– आंध्रप्रदेश के तेलंगाना राष्ट्र समिति पार्टी से एम. विजया शांति, उत्तरप्रदेश के समाजवादी पार्टी से डिम्पल यादव व मेघालय के राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी से अगाथा संगमा, इनका उपस्थिति प्रतिशत क्रमशः 14 प्रतिशत, 22 प्रतिशत व 49 प्रतिशत रहा है।

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर यह कहा जा सकता है कि 15वीं लोकसभा में महिला सदस्यों की भागीदारी औसत ही रही है। इस भागीदारी को बढ़ाने के लिए कई प्रयासों की आवश्यकता है।

संदर्भ ग्रंथ–

1. Women mps in the 15th loksabha, www.prsindia.org
2. प्रतियोगिता दर्पण, मई, 2008, पृ. सं. 1796
3. राजस्थान पत्रिका, मई 19, 2009

4. मध्यप्रदेश संदेश, जनवरी– 2010, पृ. सं. 6
5. आलम, शफीक, लोकसभा में महिलाओं का प्रतिनिधित्व, मई 5, 2014, www.chauthiduniya.com
6. राम, डॉ. पपली, भारतीय राजनीति में महिला सहभागिता एंव राजनीतिक चेतना www.advancedjournal.com
7. महला, डॉ. अरविन्द, कटारिया, डॉ. सुरेन्द्र, 'भारत में महिला सशक्तिकरणः प्रयास एंव बाधाएं,' मलिक एण्ड कम्पनी, जयपुर एंव दिल्ली, पृ. सं. 170–171